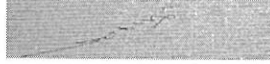


राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अन्तर्गत शास्त्री+आचार्य (पञ्चवर्षीय) पाठ्यक्रम के लिए
निर्मित पाठ्यक्रम की रूप रेखा

| कक्षा | सत्रार्थम् | पत्रकूटाङ्कः | पाठ्यक्रमस्य विवरणम् | क्रेडिटक्रमः | क्रेडिटसंख्या | होरा |
|-----------------------------|------------|--------------|---|--------------|---------------|-------|
| शास्त्री तृतीय वर्षम् | षष्ठम् | GE-6 | अनूदितसाहित्ये लावण्यमयी | | 4 | 64+16 |
| | | | <p>1. अनुवादसाहित्यस्य परम्परा</p> <ul style="list-style-type: none"> ● गुणाढ्यस्य बृहत्कथा, सोमदेवस्य कथासरित्सागरः ● विष्णुशर्मणः पञ्चतन्त्रम्, क्षेमेन्द्रस्य बृहत्कथामञ्जरी, दण्डिनः दशकुमारचरितम् ● जगन्नाथपाठकस्य गालिबकाव्यम्, आचार्यगोविन्दचन्द्रपाण्डेयस्य अस्ताचलीयम् ● अनूदितसाहित्यस्य आवश्यकता | 1 | | 16+04 |
| | | | <p>2. लावण्यमयी इतिकथाकाव्यम्</p> <ul style="list-style-type: none"> ● मूलकविः बङ्किमचन्द्रचटर्जी, अनुवादकः अप्पाशास्त्री ● लावण्यमयीकथांशः ● सुधाकरस्य जन्मवृत्तान्तः, ● सुधाकरलावण्यमय्योः आलापः | 1 | | 16+04 |
| | | | <p>3. सुधाकरलावण्यमय्योः भाग्योदयः</p> <ul style="list-style-type: none"> ● सरलादेव्याः अनुचिन्ता ● सुधाकरलावण्यमय्योः मिथः आलापः ● लावण्यमय्याः सुधाकरेण कृतं कण्टकाद्रस्त्रविमोचनम् ● तापसी-योगिन्योः आलापः ● योगिनीयोगीन्द्रयोः दुरवस्था | 1 | | 16+04 |
| | | | <p>4. सुधाकरलावण्यमय्योः समागमः</p> <ul style="list-style-type: none"> ● सुधाकरलावण्यमय्योः प्रीतिः विवाहयाचनञ्च ● सुधाकरलावण्यवत्योः परिणयः ● ग्रामाधिपस्य वाराणसीगमनम् ● रमेशचन्द्रस्य सरलादेव्या सह मुक्तपुरीगमनम् | 1 | | 16+04 |
| | | | <p>उद्देश्यम्:- भाषान्तररचनारीतेः अवगमनम्। अनूदितकथायाः लावण्यमयी इत्यस्याः रचनासौन्दर्यप्रतिपादनम्। परिणामः:- अस्य पाठ्यक्रमस्य अध्ययनादनन्तरं छात्राः:-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. अनुवादसाहित्यपरम्परां परिचेष्यन्ति। 2. लावण्यमयीगद्यस्य परिचयं प्राप्स्यन्ति। | | | |

| | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | <p>पाठ्यग्रन्थ:- लावण्यमयी (प्रकाशिता) सम्पूर्णा, मूलकवि:- बंकिमचन्द्रचटर्जी, अनुवादक:- अप्पा शास्त्री सहायकग्रन्था:- 1. साहित्य और अनुवाद प्रक्रिया सम्पादक: डा. नरेश सिहाग, गीना प्रकाशन 202 पुराना हाऊसिंग बोर्ड, भिवानी-127021 हरियाणा परीक्षामूल्याङ्कनपद्धति:- 1. वैकल्पिकप्रश्नोत्तराणि, 2. एकेन वाक्येन उत्तरलेखनम् 3. लघूत्तरीयप्रश्नाः, 4. दीर्घोत्तरप्रश्नाः। आन्तरिकमूल्याङ्कनम्- अधोलिखितेषु कानिचित् चत्वारि आश्रित्य मूल्याङ्कनं विधेयम्- 1. कार्यशालासु भागग्रहणम्, 2. प्रदत्तकार्यलेखनम्, 3. पाठ्यविषयाधारेण विडियोनिर्माणम्, 4. लघुनाटकाभिनयः, 5. शास्त्रसंजीवनीकार्यक्रमे भागग्रहणम्, 6. वाग्वर्धिनीसभायाम् अधीतिविषयप्रस्तुतिः।</p> | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|



20/1/20